



छत्तीसगढ़ में नया टाइगर रज़िर्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में [गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पगिला वन्यजीव अभयारण्य](#) के क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक नया [बाघ अभयारण्य](#) घोषित करने का निर्णय लिया है।

यह राज्य का चौथा बाघ अभयारण्य होगा।

मुख्य बंदि:

- बाघ अभयारण्य के निर्माण से पारस्थितिकी पर्यटन का विकास होगा तथा इसके केंद्र तथा बफर क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों के लिये रोज़गार के अवसर उत्पन्न होंगे।
 - [राज्य वन्य जीव बोर्ड](#) की अनुशंसा और [राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण \(National Tiger Conservation Authority-NTCA\)](#), [केंद्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय](#) की सहमति के अनुसार मंत्रपरिषद ने 2,829.387 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में गुरु घासीदास-तमोर पगिला टाइगर रज़िर्व अधिसूचित करने का निर्णय लिया है।
- वर्तमान में राज्य में तीन बाघ अभयारण्य हैं - [इंद्रावती \(बीजापुर ज़िले में\)](#), [उदंती-सीतानदी \(गरयाबंद\)](#) और [अचानकमार \(मुंगेली\)](#)।

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान

- **परिचय:**
 - **सतनामी सुधारक गुरु घासीदास** के नाम पर इसका नाम रखा गया है। यह वर्ष 2000 में मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ को अलग करने का परिणाम है। यह छत्तीसगढ़ के कोरिया ज़िले में स्थित है।
 - उद्यान की **स्थलाकृति लहरदार** है और यह **उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्र** के अंतर्गत आता है।
- **जैवविविधता:**
 - **वनस्पति:** वनस्पति में मुख्य रूप से सागौन, साल और बाँस के वृक्षों के साथ मशरिती परणपाती वन शामिल हैं।
 - **जीव-जंतु:** [बाघ](#), [तेंदुआ](#), चीतल, नीलगाय, [चकिरा](#), [सयार](#), सांभर, चार सींग वाला मृग आदि।

तमोर पगिला वन्यजीव अभयारण्य

- **परिचय:**
 - यह उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे **छत्तीसगढ़ के सूरजपुर ज़िले में स्थित** है। इसका नाम **तमोर पहाड़ी और पगिला नाला** के नाम पर रखा गया है।
 - तमोर पहाड़ी और पगिला नाला अभयारण्य क्षेत्र की पुरानी तथा प्रमुख वशिषताएँ मानी जाती हैं।
- **जैवविविधता:**
 - **वनस्पति:** इस अभयारण्य में **मशरिती परणपाती वनों का प्रभुत्व** है। साल और बाँस के वन हर जगह दिखाई देते हैं।
 - **जीव-जंतु:** बाघ, हाथी, तेंदुए, भालू, सांभर हरिण, नीलगाय, चीतल, बाइसन और ऐसे विभिन्न जानवर यहाँ पाए जाते हैं।

